



भारत का राजपत्र The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-19112020-223175
CG-DL-E-19112020-223175

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 596]
No. 596]

नई दिल्ली, बुधवार, नवम्बर 18, 2020/कार्तिक 27, 1942
NEW DELHI, WEDNESDAY, NOVEMBER 18, 2020/KARTIKA 27, 1942

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 18 नवम्बर, 2020

सा.का.नि. 727 (अ).—केन्द्रीय सरकार, सिक्का-निर्माण अधिनियम, 2011 (2011 का 11) की धारा 24 की उप-धारा (2) के खंड (घ) और खंड (ङ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:-

- संक्षिप्त नाम और प्रारंभ.**— (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम सिक्का निर्माण (लखनऊ विश्वविद्यालय के शताब्दी समारोह के अवसर पर संस्मारक सिक्का जारी करना) नियम, 2020 है।
(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रभावी होंगे।
- सिक्के का मूल्यवर्ग.**— "लखनऊ विश्वविद्यालय के शताब्दी समारोह" के अवसर पर केन्द्रीय सरकार के प्राधिकार के अधीन जारी करने के लिए एक साल में एक सौ रुपये केवल मूल्यवर्ग के सिक्के का निर्माण किया जायेगा।
- सिक्के का आकार और संरचना.**—
नियम 2 में उल्लिखित मूल्यवर्ग के सिक्के, निम्नलिखित आकार और संरचना के अनुरूप होंगे, अर्थात्:-

सिक्के का मूल्य वर्ग	आकार और बाह्य व्यास	दांतेदारों किनारे की संख्या	धातु संरचना
(1)	(2)	(3)	(4)
एक सौ रुपये	वृत्ताकार 44 मिलीमीटर	200	चतुर्थक मिश्रधातु चाँदी - 50 प्रतिशत तांबा - 40 प्रतिशत निकल - 05 प्रतिशत जस्ता - 05 प्रतिशत

4. **डिजाइन-** सिक्के का डिजाइन इन नियमों की पहली अनुसूची में विनिर्दिष्ट किए अनुसार होगा।

5. **मानक भार और अनुज्ञात उपचार-** लखनऊ विश्वविद्यालय के शताब्दी समारोह के अवसर पर उपर्युक्त मूल्यवर्गित के सिक्के का मानक भार और ऐसे सिक्के को बनाने में अनुज्ञात उपचार वही होगी जो इन नियमों की दूसरी अनुसूची में विनिर्दिष्ट की गई है।

पहली अनुसूची

(नियम 4 देखें)

एक सौ रुपये

अग्र भाग:

सिक्के के मुख भाग पर मध्य में अशोक स्तम्भ का सिंह शीर्ष होगा, जिसके नीचे "सत्यमेव जयते" उत्कीर्णित होगा, उसकी बाईं परिधि पर देवनागरी लिपि में "भारत" शब्द और दाईं परिधि पर अंग्रेजी में "INDIA" शब्द होगा। सिंह शीर्ष के नीचे रुपया का प्रतीक "₹" और अंतर्राष्ट्रीय अंकों में अंकित मूल्य "100" भी होगा। सिक्के की पूरी परिधि पर झालर की आकृति होगी।

पृष्ठ भाग

सिक्के के इस भाग पर लखनऊ विश्वविद्यालय के इमारत के दर्शनी भाग का चित्र होगा। इस चित्र उपर देवनागरी में "शताब्दी उत्सव" तथा अंग्रेजी में "CENTENNIAL CELEBRATION" लिखा होगा। सिक्के के उपरी परिधि पर क्रमशः देवनागरी लिपि में "लखनऊ विश्वविद्यालय" और अंग्रेजी में "UNIVERSITY OF LUCKNOW" लिखा होगा। सिक्के की निचली परिधि पर वर्ष "1920-2020" अंतर्राष्ट्रीय अंको में लिखा होगा। सिक्के की पूरी परिधि पर झालर की आकृति होगी।

दूसरी अनुसूची

(नियम 5 देखें)

सिक्के का मूल्यवर्ग	मानक वजन	अनुज्ञात उपचार	
		धातु संयोजन	मानक वजन
(1)	(2)	(3)	(4)
एक सौ रुपये	35 ग्राम	रजत के लिए 1/500 जमा या घटा अर्थात् रजत का अंश प्रति 1000 में 498 से 502 के बीच हो सकेगा।	1/100 जमा या घटा अर्थात् भार 34.65 ग्राम से 35.35 ग्राम तक हो सकता है।

[फा. सं. 02/11/2020-सिक्का]

बी. पुरुषार्थ, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Economic Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 18th November, 2020

G.S.R. 727 (E).- In exercise of the powers conferred by clauses (d) and (e) of sub-section (2) of section 24 of the Coinage Act, 2011 (11 of 2011), the Central Government hereby makes the following rules, namely:-

- 1. Short title and commencement.**- (1) These rules may be called the Coinage (Issue of commemorative coin to commemorate on the occasion of Centennial Celebrations of University of Lucknow) Rules, 2020.
(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Denomination of Coin.**- The coin of One hundred Rupees denomination shall only be coined at the Mint for issue under the authority of the Central Government on the occasion of “**Centennial Celebrations of University of Lucknow**”.
- 3. Dimension and composition of coin.**- The coin of the above denomination mentioned in rule 2 shall conform to the following dimensions and composition, namely:-

Denomination of the coin	Shape and outside diameter	Number of serrations	Metal Composition
(1)	(2)	(3)	(4)
One Hundred Rupees	Circular 44 millimeter	200	Quaternary Alloy Silver - 50 per cent Copper - 40 per cent Nickel - 05 per cent Zinc - 05 per cent

- 4. Design:** The design of the coin shall be specified in the First Schedule of these rules.
- 5. Standard weight and remedy allowed.**- The standard weight of the coin of above denomination coined to commemorate the occasion of Centennial Celebrations of University of Lucknow and the remedy allowed in making of the coin shall be as specified in the Second Schedule to these rules.

The First Schedule

(See rule 4)

ONE HUNDRED RUPEES

OVERSE:

This face of the coin shall bear the Lion Capitol of Ashoka Pillar in the centre with the legend “सत्यमेव जयते” inscribed below, flanked on the left periphery with the word “भारत” in Devnagri script and on the right periphery with the word “INDIA” in English. It shall also bear the Rupee symbol “₹” and denominational value “100” in international numerals below the Lion Capitol. The skirting design is made on entire periphery for this coin.

REVERSE:

This face of the coin shall bear the image of University of Lucknow building’s front façade. The inscription “शताब्दी उत्सव” in Devnagri script and “CENTENNIAL CELEBRATION” in English shall be written above the university building image. The inscription “लखनऊ विश्वविद्यालय” in Devnagri script and “UNIVERSITY OF LUCKNOW” in English shall be on upper periphery of the coin. A year “1920-2020” in international numerals shall be written at lower periphery of the coin. A skirting design is made on entire periphery for this coin.

Second Schedule**(See rule 5)**

Denomination of coin	Standard weight	Remedy Allowed	
		In composition	In standard weight
(1)	(2)	(3)	(4)
One Hundred Rupees	35 Grams	1/500 th plus or minus for silver, that is to say the Silver content may vary from 498 to 502 per 1000.	1/100 th plus or minus that is to say weight could be 34.65 grams to 35.35 grams.

[F. No. 02/11/2020-Coin]

B. PURUSHARTHA, Jt. Secy.